



पन्ना में हादसा : मिटटी में समा गए एक ही परिवार के सदस्य

एआई मानवता के लिए खतरा : पोप लियो

बुद्धिमत्ता (एआई) पर अपना पहला खड़ा नीतिगत दस्तावेज जारी करते हुए विशेषज्ञों और दुनिया भर की सरकारों को इसके खतरों के प्रति गंभीर चेतावनी दी है। मैगिनफिका ह्यूमैनिटास: ऑन सेफ़ागार्डिंग द आर्ट्स परसनर्सन इन द टाइम्स ऑफ़ डिजिटल फ़िजियल इंटेलेजेंस (भय मानवता: एआई के दौर में मानव की

दस्तावेज में पोप ने सरकारों से एआई के तकनीकी विकास को रूढ़िवादी रूढ़िवादी करने का आग्रह किया है, उन्होंने सचेत किया कि एआई प्रणालियाँ गलत जानकारी फैला रही हैं।

समेत देश के दस राज्यों में होने वाले राज्यसभा चुनाव के अंकगणितिय राजनीति के कारण सबकी निगाहें मध्यप्रदेश की राजनीति पर टिकी हुई है। चर्चा है कि क्या भाजपा तीसरी सीट के लिए भी उम्मीदवार खड़ी करेगी? क्या भाजपा स्थानीय बनाम बाहरी की राजनीति बहस पर पर्दा डालने के साथ सामाजिक व क्षेत्रीय समीकरण को साधने हुए आने वाले समय के लिए सबूत की राजनीति की दिशा तय करना चाहेगी?

राजनीतिक जानकार बता रहे हैं कि संख्या बल के गणित के दिल्ली के राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है कि भाजपा कांग्रेस के विधायकों में संसदीय यानी क्रॉस वोटिंग कराने की रणनीति पर काम कर रही है। सीट पर उत्तराखण्ड जा रहे हैं कि भाजपा किसी ऐसे कदवावर नेता को इस तीसरी सीट पर उत्तराखण्ड की जो हाल ही में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुआ है। ताकि कांग्रेस खेमे में मनोवैज्ञानिक दबाव बनाया जा सके। इसी वजह से कहा जा रहा है कि भाजपा के लिए यह चुनाव केवल राज्यसभा में अपनी संख्या बढ़ाने का जरिया नहीं है, बल्कि इससे जरूर यह आने वाले समय के लिए खुश की राजनीति की दिशा तय करना चाहती है। यदि वह जोड़ तोड़ के सहारे भी तीसरी सीट हासिल करने में कामयाब रहती है, तो यह विपक्षी खेमे के मनोबल को पूरी तरह तोड़ देने वाला मास्टरस्ट्रोक साबित हो सकता है।

हिसाब से यह चुनाव साधारण नजर आ सकता है, जहां भाजपा दो सीटों पर और कांग्रेस एक सीट पर स्वाभाविक दावेदार हैं। लेकिन पररे के पीछे चल रही गुणा-भाग की राजनीतिक

गोटियाँ और संभावित उम्मीदवारों के नाम यह साफ कर रहे हैं कि भाजपा इस बार न सिर्फ सामाजिक संतुलन साधने जा रही है, बल्कि विपक्ष के पाले में भी संलग्न होने की फिराक में है।

6 सीमा पर लगेगे एटी ड्रोन नियंत्रण : शाह

बीच कराब छह घंटे तक चली बंद
कमरों की बैठक के बाद आया है।
कर्नाटक के नेतृत्व और मंत्रिमंडल
में भाषावित्तर बदल को लेकर
बढ़ती राजनीतिक चर्चाओं के
बीच यह बैठक आयोजित की गई
थी। बैठकों के बाद पत्रकारों से
संक्षिप्त बातचीत में कांग्रेस नेता
के.सी. वेणुगोपाल ने अटकलों को
कमतर आंकने का प्रयास किया।